

तुबारि संपादकीय
टीम

◆अस इ उम्मिद करुं लगे से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

◆इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एकट अन्तर रिजिट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ू जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

◆तुबारि एक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

◆तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कहेण जे नेई छपाण लगे। अगर कोइ ई सोचता बि त अस जिम्मेवार नेई।

◆छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पागेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहिल बार पांगवाडि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

◆आर्टिकल ना मिले, या घाटि मेहणु के मदद ना मिले त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

◆कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीम पुरा अधिकार असा।

◆अस किलाड केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेड हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर आर्टिकलस रखुं जे सुविधा किओ असि।

◆अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अच्छा आर्टिकल, पुराणि या नौई कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पांगवाडी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेँनदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

☎ 9418431531

☎ 9418429574

☎ 9418329200

☎ 9418411199

☎ 9418411599

तुबारि संपादकीय टीम कनारा सोबि तुबारि
पढ़ं बाड़ि जे फुलियाठि मेले त दसरा
के बधे!

पड्डे ना कोई थोबि और ना कोई दुन्गसुडु- घोड़े काँप

सुआ साल पेले, बिटु नोउएं यक कुआ थिआ। अपु ई बोज जुए से बडे मज्जे जुए विशताथा। तंके यक मठुडीं गी थी।

यक रोज तसे दाँदुजी तेन्हि जुए विशुण जे आ। से सुआ स्याणा भोई गो थिआ। तसे नजर कमजोर भोई गो थी त तेस घट सुणतुथा। स्याणा भुणे बलि तंके हतेउ बी सुआ ठरकतेथ, रौठि खाणे टेम, सुआ रौठि भीं झडतीथ, तंके झणे बि गन्दा भोई घेन्तिथ। त बिटु ई बोज तेसे दाँदु धे कोठि अन्तर चौके भेड रौठि देण लगे। पड्डे ना कोई थोबि और ना कोई दुन्गसुडु।

यक रोज दाँदुजी एत ठरका कि तंके हतेउ कैयां चाये काँप भीं झाड़ गोउ त टुट गा। ई हेर कई बिटु ईया ती लेहर अई गई। तेन बोलु, “ते मारण गई” में अब्बुल चाये काँप टोड़ छा ना। अब की करुं? तसे बोज बि नाराज भोई गा, तेन बोलु कि बुडा जे यक घोड़े काँप आण ता जे कि कदि ना टूटएल। तेस जमाणे लोहे त षटिले भाणे ना मेतिथ। त ए हाल कुछ रोज चले।

पता यक रोज बिटु बोज जपल गी आ त तेन हेरु कि, बिटु बडे ध्यान जुए अडु बई घोड़े काँप बणां लगे सा। तसे बोजए पुछु, त से बोता, अउं दुई घोड़े बाड़े काँप बणा लगे असा। यक तुंसि जे त होरा ईया जे। जपल तुस स्याणे भोई घेन्ते, तपल अउं बि तुंसि दाँदु जगाई छांता। इस काँप अन्तर चाय देन्ता, जे कि तुस ना टोड़ सकते। ई सुण कई, तसे बोज चक्कर एई गा। तेनि अपु जुएलि जे बोक कि त पता तिएस ब्यादि तेन्हि दाँदु अब्बुलि गदा पुठ बिशाई कई यक हच्छि नये प्लेट अन्तर रौठि दिति। तसे ई, यक होरा अब्बुल चाये काँप बि आण्ही छा।



ए सोब परमेश्वर जुओई शुरु भो असु

ए सोब परमेश्वर जुओई शुरु भो असु, किस कि परमेश्वर जुओइ सोब चीजे बणि, स्वर्गे भोल मोजि धरती, केणे बाडु या न केणे बाडु, सोब चीजे तेस जे त तेनि बडो असि। जिखेई तकर अस परमेश्वर मनि न छते ताउं तकर जीवने उद्देश्य प्रश्ने कोई महत्त्व नेईं हैं जीवने उद्देश्य, हैं अपु सफलता कामियाबि, हैं मने शान्ति या हैं आन्नद केआं सुआ महत्त्व असा। ए हैं टबर, धंधा या हैं सपनी केआं बि मोटा असा। अगर अस इ जाणु चाहंते कि अस इस धरती पुठ किस ओ असे, त एसे शुरुआत असि परमेश्वर जुओई करिं एन्ति। अस तेन्केरि उद्देश्य बोलि त तेन्केरि उद्देश्य जे जमो असे। जीवने उद्देश्य खोजे हजारो साल केआं मेहणु उलझाई रखो असे। ईं इसलिये भुन्तु किस कि अस शुरुआते गलत बोक केआं कते। अपेप केआं हैं स्वाल स्वार्थी भुन्ते, जीं अऊं कि बणु चाहंता? मऊं अपु जीवन अन्तर कि करुं चाहिए? भविष्य जे मैं लक्ष्य, मैं अभिलाषा त मैं सपने कि असे? पर अपेप पुठ केन्द्रित भुई कई अस अपु जीवने उद्देश्य केदि न जाणि सकते। परमेश्वरे हतेऊ यक-यक जीवधारि प्राण असे, होर यक-यक मेहणु आत्मा बि बिशति।

प्रसिध्द किताबि, सिनेमा त खरे मेहणु के बतो बोकि के बाबजूद भी अस अपु अन्तर झांककई अपु जीवने अर्थ न जाणि सकते। सम्भव असु कि असि ईं करणे कोशिश बि किओ भोला। किस कि असि अपेप जे नेईं सोचो कि अस

अपेप नेई बणो त किस बणो असे। अगर कोइ हैं हतेऊ अन्तर यक ई चीज छेड़ल जे असि पेहले केदि न काओ भोल त न अस तेस बणाणे मकसद पता लाई सकते त न से चीज असि बताई सकती। तेसे उद्देश्य त सद तेस बणाणे बाड़ा बताई सकता।

“यक फेरि अऊं फाटि बुच गड़ि गो थिआ त अऊं अपु गीहे पता पुछुण जे रुका त मऊं पता लगा कि अऊं इठिया तेठि न पुजि सकता मऊं फाटे होर कनेरि बई घेंण एन्तु”।

इयाणि अस बि आत्म केन्द्रित भोई कई अपु जीवने उद्देश्य तकर न पुजि सकते। असि अपु सृष्टिकर्ता परमेश्वर जुओई शुरु करुं एन्तु। अस सिर्फ इस लिए जीण लगेसे किस कि परमेश्वर चाहते कि तुस जीण दीए। अस परमेश्वरे बोलि त परमेश्वर जे बणो असे। होर जपल तकर अस एस समझी न छते तऊं तकर हैं जीवने कोई अर्थ नेई। ए सिर्फ परमेश्वर असा जेस अन्तर असि अपु जन्म, पछाण, अर्थ, उद्देश्य, महत्त्व त भाग्य मेता। बाकि सोब बथ बन्द द्वारे कना घेन्ति। सुआ मेहणु अपु कम जे परमेश्वरे ईस्तेमाल कते। पर ए स्वभाव केआं अलग असु जे असि असफलताई कना जे नेन्ता। अस परमेश्वरे बणौ असे, परमेश्वर पछाण हैं जीवने उद्देश्य भो। शरीर पुठ मन लां त मौत भो, पर आत्मा पुठ मन लां जीवन त शान्ति भो।

मेई सुआ किताबि पढो असि जे हैं जीवने उद्देश्य जाणणे उद्देश्य बतांति। तेनि सोबि अस अपु सहायिताइ श्रेणी अन्तर छई सकते। किस कि से सोब इन्ही स्वकेन्द्रित दृष्टिकोण जुओई हेरती। स्वसहायता बाड़ि किताबि असि अपु उद्देश्य तोपणे घिसे पिटे तरीके बतांति। जीं, अपु सपनी के बारे सोचे, अपु मुल सपष्ट करे, लक्ष्य चुणे, जाणे कि अस केस कम अन्तर बेहतर असे, उचु सोचे, अनुशासन अन्तर बिशे त सोचे कि अस अपु लक्ष्य तकर पुजि सकते। होरि बि सम्मिलित करे होर केदि हार न मने।...उद्देश्य चालित जीवन” किताबि पेहला पाठ...शुभम

कुछ खास खबर

- ♦ जिला स्तरीय फुलयाटी मेला 14,15 त 16 अक्टुबरे असा।
- ♦ सितंबरे तीसरे हप्ते लगातार मेघे लगणे बोलि गाहरे फसल सुआ खराव भोई गई।
- ♦ छः सितंबरे हिमाचले मुख्य मन्त्री प्रो० प्रेम कुमार धुमल जी पेंगेई एण लगे थिए मेघे लगणे बझाई जुओई से उदयपुर केआं वापस घेई गे।

नामी कन्जूस लालची रामे कुआ यक रोज अपु बोउ जे बोता

By Shubham

बोउअ-बोउअ! आज मेई पन्ज रुपेई बचो असे। अऊ एच, आर, टी, सीए बसे पतुं-पतुं दौड़ कई गी आ।

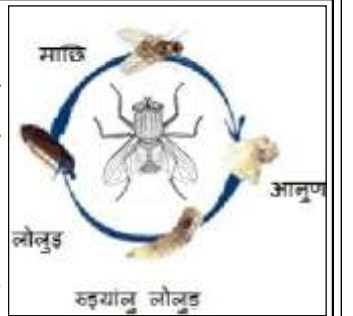


तऊ रुपेई बचाणे न एन्ते, छोटि गाडी पतुं दौड़ताथ त पजां रुपेई बच घेन्तेथ।

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please ☎ 9418429574

माछि गन्दगि फैलांति

माछि केआं शुकि रौठि न खेईति त जपल बि तस खाण भोल त से अपु थूक रौठि अन्तर छई कई से पाणीं बणान्ति त तेस चुशति। से सुआ खान्ति त हगती बि रेहन्ति। इसे मतलब ई भुआ कि माछि जपल बि हैं खांणे चीज अन्तर विशित त से पेहले अपु थूक तठि छति त पता अपु गुह बि छति। माछि गरमी मोसम तीं ट्यारा भुन्ता। माछि हर वकत खाणे चीज त गन्दी चीज बुछ उडरती रेहन्ती। इस जुएई से बिमारी फैलान्ती। तेन्हि जुए कम से कम पन्जा केआं खड़ि बिमारी फैलाणे बाडे जीवाणु भुन्ते। त जपल बि से हैं रौठि, शाग दुध त होरे खाणे चीज अन्तर विशती त से ना कि सिर्फ दस्त बाड़ि जीवाणु आणते बल्कि से टाइफॉइड, हैजा, टि.बी. त ऐन्थ्रैक्स बाड़ि जीवाणु बि आणते। तउं त गरमी अन्तर असि घड़ि घड़ि पेटे बिमारी लगति त होरि बिमारी बि भुन्ति। माछि दूर लाणे सोबि केआं बड़िआ तरीका सा 'सफाई', अपु सफाई, अपु गीहे सफाई त अपु आस पड़ोसे सफाई।



माछि सिर्फ 15% भुन्ति। बाकि 85% आनुण, त लोलुड अन्तर भुन्ते।